

# न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची)

आदेश पत्रक

जितेन्द्र तेली

बनाम

पञ्चपति खानी वगैरह

क्र०/तिथि	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	की गई कार्रवाई
	<p>अभिलेख सं०-एम...137.../2017 धारा-107 द०प्र०सं० थाना प्रभारी <del>सोनीपाल</del> के अप्राथमिकी सं०-37/17 दिनांक-13-9-17 प्रस्तुत पुलिस प्रतिवेदन/आवेदन से सूचना मिली है कि मजदूरी करवाने की लेकर उभय पक्ष में तनाव है।</p> <p>जिससे संभावना है कि परिशांति भंग होगी या लोक परिशांति क्षुब्ध होगी या उभय पक्ष/विपक्षी कोई ऐसा असंतोषकारी कार्य करेंगे जिससे परिशांति भंग हो जाएगी या लोक परिशांति क्षुब्ध हो जाएगी।</p> <p>अतः मैं पायल राज, कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची) उक्त पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध द०प्र०सं० की धारा-107 के अन्तर्गत कार्यवाही आरंभ करती हूँ। उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध सूचना निर्गत करें कि वे कारण दर्शित करें कि उन्हें एक वर्ष तक परिशांति कायम रखने के लिए उससे/उनसे प्रत्येक को 1000(एक हजार) रू० का बन्ध पत्र उसी राशि के दो जमानतदारों के साथ राशि दाखिल करने हेतु आदेश क्यों नहीं दिया जाय।</p> <p>अभिलेख तिथि 16/10/17 को उपस्थापित करें। लेखापित एवं संश्लेषित</p> <div style="display: flex; justify-content: space-around; margin-top: 20px;"> <div style="text-align: center;"> <p>4</p> <p>कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू।</p> </div> <div style="text-align: center;"> <p>8</p> <p>कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू।</p> </div> </div>	

16/10 16/10/17

6/11

5

तिथि	आदेश एवं दण्डाधिकारी का हस्ताक्षर	
06-11-17	<p>अभिलेख उपस्थापित । उमय पन अनुपस्थित । दिनांक 27-11-17 को श्रव ।</p> <p style="text-align: right;">६/११/१७</p>	
27-11-17	<p>अभिलेख उपस्थापित । प्रथम पन उपस्थित द्वितीय पन क्रमांक 01, 02 उपस्थित क्रमांक 03 अनुपस्थित । दिनांक 15-12-17 को श्रव ।</p> <p style="text-align: right;">६/११/१७</p>	
15-12-17	<p>अभिलेख उपस्थापित । उमय पन उपस्थित । उमय पन की जोर से शक सयुक्त सुलतनाम आवेदन देकर निवेदन किया गया है कि उपरोक्त वाद में उमय पन उपस्थित ही चुके है तथा न्यायालय के बाहर आपस में सलाह ही चुके है । यह कि आज के पश्चात उमय पन में किसी प्रकार</p>	

तिथि	आदेश एवं दण्डाधिकारी का हस्ताक्षर	
	<p>का वाद विवाद नहीं करेगा तथा शान्ति बनाए रखेगा । अतः अग्र पत्र को सुलझ होने का आदेश दिया जाय ।</p> <p>अग्र पत्र के सुलझनाम आवेदन को स्वीकृत किया जाता है तथा वाद में आपिलेशन की कारवाही बन्द की जाती है ।</p> <p>लेखापित एवं संशोधित</p> <p>कार्यपालक दण्डाधिकारी बुण्ड (रांची)</p>	<p>15/12/18</p> <p>कार्यपालक दण्डाधिकारी बुण्ड (रांची)</p>